[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1459 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 210302

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Name of the Paper : Paper 3.2 (A) Social and Political Philosophy – I

Semester : III

Dutation : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Five** questions in all, selecting any **three** from **Section A** and any **two** from **Section B.**
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, **तीन** प्रश्न **खण्ड अ** से और **दो** प्रश्न **खण्ड ब** से।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

SECTION A (खण्ड अ)

1. "Each person possesses an inviolability founded on justice that even the welfare of society as a whole cannot override. For this reason justice denies that the loss of freedom for some is made right by a greater good shared by others. It does not allow that the sacrifices imposed on a few are outweighed by the larger sum of advantages enjoyed by many" – *Rawls, A Theory of Justice*

P.T.O.

This statement reflects Rawls' opposition to which well known ethical doctrine ? Elaborate your answer with the main points Rawls makes against this theory.

"प्रत्येक व्यक्ति की एक अनतिक्रमणीयता है जिसका उल्लंघन समस्त समाज के कल्याण हेतु भी नहीं किया जा सकता है । यही कारण है कि अन्य लोगों के अत्यधिक लाभ के लिए कुछ लोगों के स्वतंत्रता के अधिकार का हनन करना न्यायोचित नहीं है । न्याय संपन्न समाज में इस बात की अनुमति नहीं है कि अधिकांश लोगों के बेशुमार फायदे के लिये कुछ एक के अधिकारों की बली दी जाए ।"

रॉल्स इस कथन के द्वारा किस प्रसिद्ध नैतिक सिद्धान्त के प्रति अपना विरोध प्रकट कर रहें हैं ? इस संदर्भ में रॉल्स के मुख्य तर्कों की विस्त्रित व्याख्या कीजिए ।

2. "The choice which rational men would make in this hypothetical situation of equal liberty, assuming for the present that this choice problem has a solution, determines the principles of justice." – *Rawls, A Theory of Justice*

Which hypothetical situation is being referred to here ? Examine Rawls' views on the same.

"विवेकशील व्यक्ति समान स्वतंत्रता वाली इस परिकल्पित स्थिति में जो चयन करते हैं (यह मानते हुए कि चयन की इस समस्या का कोई समाधान भी है) वही चयन न्याय के सिद्धान्तों को निर्धारित करते हैं ।"

यहाँ किस परिकल्पित स्थिति की ओर संकेत किया जा रहा है ? इस विषय में रॉल्स के विचारों की जाँच कीजिए ।

3. "For us the primary subject of justice is the basic structure of society, or more exactly, the way in which the major social institutions distribute fundamental rights and duties and determine the division of advantages from social cooperation. By the major institutions I understand the political constitution and the principal economic and social arrangements." – *Rawls, A Theory of Justice.*

Elucidate the concept of "Justice as Fairness" with particular reference to the above statement.

"हमारे लिए न्याय का मूल विषय समाज का बुनियादी ढाँचा है; विशेषकर इस ढाँचे में शामिल मुख्य संस्थाएँ किस प्रकार मौलिक अधिकारों तथा कर्तव्यों का वितरण करती हैं और सामाजिक सहयोग से प्राप्त

उपलब्धियों का विभाजन कैसे करती हैं। प्रमुख सामाजिक संस्थाओं से मेरा अभिप्राय राजनीतिक संविधान और मुख्य आर्थिक तथा सामाजिक व्यवस्थाओं से है।"

उपरोक्त कथन के विशेष संदर्भ में 'औचित्य के रूप में न्याय' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. According to Rawls it is possible to apply either the efficiency principle or the difference principle to the method by which rights and duties are assigned in society and to the method by which social or economic inequalities are structured. However Rawls gives preference to the difference principle over the efficiency principle. Discuss his reasons for doing so in the context of the second principle of justice.

रॉल्स के अनुसार दक्षता सिद्धान्त और भिन्नता सिद्धान्त, दोनों में से किसी भी सिद्धान्त को उन विधियों पर लागू किया जा सकता है जिनके द्वारा समाज में अधिकारों एवं कर्तव्यों का आबंटन होता है और सामाजिक या आर्थिक असमानताओं को व्यवस्थित किया जाता है। परंतु रॉल्स दक्षता सिद्धान्त की जगह भिन्नता सिद्धान्त को प्राथमिकता देते हैं। न्याय के दूसरे सिद्धान्त के संदर्भ में उनके इस चयन के कारणों की व्याख्या कीजिए।

5. Critically examine Rawls' two principles of justice. Why is he so confident that when applied to society these two principles of justice will not lead to a "callous meritocratic society" ?

रॉल्स द्वारा प्रतिपादित न्याय के दो सिद्धान्तों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। उन्हें इस बात का विश्वास क्यों हैं कि जब ये सिद्धान्त समाज में लागू किए जायेगें तो एक निष्ठुर, "मेरीटोक्रेटिक" समाज का निर्माण नहीं होगा ?

6. Contrast the Rawlsian theory of justice with Utilitarianism and Intuitionism.

रॉल्स की न्याय के सिद्धान्त तथा उपयोगितावाद और अंतर्विवेकवाद के बीच अंतर स्पष्ट कजिए।

SECTION B (खण्ड ब)

7. Analyze the reasons given by Dworkin to support his belief that a government must take seriously the rights of individuals.

डवॉरकिन का मानना है कि एक सरकार को व्यक्ति के अधिकारों को गंभीरता से लेना चाहिए। अपने इस मान्यता के पक्ष में डवॉरकिन द्वारा दिए गए कारणों का विश्लेषण कीजिए।

8. Hart believes that having a natural right to be free implies having the moral justification for limiting the freedom of another person. Discuss how Hart supports this thesis with the help of the notions of Special and General Rights.

हार्ट के अनुसार स्वतंत्रता के प्राकृतिक अधिकार का होना मतलब किसी अन्य के स्वतंत्रता को सीमित करने के नैतिक अधिकार का होना। इस मत को वह किस प्रकार विशेष तथा सामान्य अधिकार के प्रत्ययों की सहायता से सिद्ध करते हैं ? विवेचना कीजिए।

9. Evaluate Bernard Williams' idea of Equality with special emphasis on the aspect of "equality in unequal circumstances".

बर्नार्ड विलियम्स द्वारा विवेचित समानता के सिद्धान्त का मूल्यांकन, उसकी एक विशेष पहलू, 'असंतुलित परिस्थितियों में समानता' के संदर्भ में कीजिए।

10. Elucidate Andre Beteille's views on the relationship between social equality and individualism in the context of Indian culture.

भारतीय संस्कृति के प्रसंग में सामाजिक समानता एवं व्यक्तिवाद के परस्पर संबंध पर आन्द्रे बेते के विचार स्पष्ट कीजिए।